पांच मजदूरों की मौत मामले में जांच टीम के समक्ष बड़ा खुलासा

नियम विरुद्ध निजी भूमि पर खोदा जा रहा था सरकारी निर्मल नीर कूप

नवभारत न्यूज

पन्ना, 06 जून। गत 26 मई को पन्ना जिले के अजयगढ़ तहसील में मनरेगा योजना के तहत निर्मित हो रहे निर्मल नीर कूप के धंसकने से पांच मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई थी, जिसकी जांच प्रशासनिक लापरवाही कहें या अनदेखी 10 दिन बाद गठित समिति जांच करने ग्राम पंचायत भवन बीहरपुरवा पहुंची जिसमें नायब तहसीलदार बीरा, हल्का पटवारी सहित जांच दल के सदस्य एसडीएम अजयगढ़, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यंत्रिकी सेवा बी.के.रिछारिया पहुंचे, जिसमें तीसरे सदस्य सीईओ जनपद पंचायत पवई नही पहुंचे।

इसके पीछे का कारण जानने का उनके मोबाइल नम्बर पर प्रयास किया गया लेकिन उन्होंने मोबाइल रिसीव नही किया। जांच समिति के समक्ष सबसे बड़ा खुलासा जो सामनें आया है वह सार्वजनिक भूमि की जगह नियम विरूद्ध निजी व्यक्ति की जमीन पर सरकारी निर्मल नीर कूंप खोदा जा रहा था। इतना बड़ा हादसा होने के बावजूद जब कुआं की अवैध रूप से खोदा जा रहा था तो इसके लिये जिम्मेदार अजयगढ़ के प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर जिला प्रशासन तक शामिल है। क्योंकि मनरेगा योजना में तहसील स्तर पर सीईओ, जिला स्तर पर जिला पंचायत सीईओ एवं कलेक्टर महात्वपूर्ण पद पर रहते है और इतनी बड़ी अनियमितता सामनें आने के बावजूद कोई कार्यवाही न होने से साफजाहिर होता है कि सब अपने अपने बचाव के लिये इस पूरे मामलें को जांच में ही लीपापोती कर रफा दफा करने में डटे हुए है। क्योंकि यह बात तय है कि यदि नियमानुसार कार्यवाही होती है तो इसमें अजयगढ जनपद पंचायत से लेकर जिला मुख्यालय में बैठे मनरेगा के अधिकारी तक निपट जायेंगे।

जांच समिति ने दर्ज किए पीड़ित परिजनों के बयान

गत दिवस जांच समिति ने पंचायत भवन में पहुंचकर मृतक मजदूर परिवारों सहित ग्रामीणों के बयान दर्ज किये एवं पंचनामा तैयार किया गया। इसके बाद शाम लगभग 05 :30 बजे जांच दल घटना स्थल पहुंचा तथा कूप निर्माण स्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान यह स्पष्ट हो गया कि ग्रामीणों और पीड़ित पक्षों द्वारा जिस स्थल पर कूप निर्माण का कार्य हुआ है वह निजी खेत होने की जानकारी मृतक मजदूर के परिवार के सदस्यों और ग्रामीणों द्वारा अधिकारियों को दी गई। कूप का निर्माण जिस स्थल पर हुआ है वह खसरा नंबर 39 का जुज रकवा 48 आरे हैं जिसके 1/2 भाग में अगरी पिता ठाकूरदीन तथा शेष आधे भाग में मैकू पिता कल्लू वगैरह पांच हिस्सेदार है। शासन के नियमानुसार निर्मल नीर कूप का निर्माण का कार्य सार्वजनिक कार्य है और यह कार्य सरकारी भूमि पर ही होना चाहिए, किन्तु निजी भूमि पर सरकारी कूप निर्माण की जो जानकारी निकलकर सामने आई है उससे कूप निर्माण की स्वीकृति पर ही बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। सरकारी सार्वजनिक निर्माण कार्य निजी भूमि पर तभी हो सकते हैं जब उसके अधिग्रहण की विधिवत कार्यवाही हुई हो। अथवा संबंधित भू धारक द्वारा अपनी भूमि संबंधित कार्य के लिए रजिस्टार ऑफिस में दान करते हुए रजिस्ट्री कराई गई हो। मनरेगा योजना अंतर्गत निर्मल नीर कूप निर्माण का कार्य सार्वजनिक है। घटना दुखद दर्दनाक रही इसमें एक नहीं अनेक लापरवाहियां और अनियमिताएं सार्वजनिक हो चुकी हैं लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है की एक हादसे जिसमें पांच मजदूर मर जाते हैं उसके लिए प्रधान उत्तरदाई अधिकारी जो कि विकासखंड स्तर पर जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हैं कार्यवाही की बात तो दूर अब तक अटैच भी नहीं किया है। जानकारी के अनुसार कलेक्टर द्वारा एक नोटिस जरूर उनको जारी किया गया। इसके आगे की कार्रवाई ठप्प पड़ी हुई है।

मोबाइल दुकान की लाइव चोरी का खुलासा

छतरपुर से दबोचा गया शातिर चोर

नवभारत न्यूज

अजयगढ़, 06 जून। अजयगढ़ नगर के व्यस्ततम इलाके में हुई एक सनसनीखेज चोरी की वारदात को सुलझाने में स्थानीय पुलिस ने सफलता हासिल की है। रेस्ट हाउस के सामने स्थित रवि मोबाइल गैलरी से फिल्मी अंदाज में 1.62 लाख रुपये के महंगे स्मार्टफोन पार करने वाले शातिर चोर को अजयगढ़ थाना पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर छतरपुर से गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी किए गए सभी पांचों कीमती मोबाइल फोन भी बरामद कर लिए हैं। गौरतलब है कि 4-5 जून की दरमियानी रात एक अज्ञात चोर ने बेहद चालाकी से वारदात को अंजाम दिया था। चोर दुकान के सामने लगे कदम के पेड़ के सहारे छज्जे पर चढ़ा और फिर लिफ्ट लगाने के लिए लगाए गए लोहे के एंगल की मदद से दुकान के भीतर दाखिल हो गया। इसके बाद उसने काउंटर और रैक में रखे वीवो वी-70, नथिंग 4ए, ओप्पो एफ-31, वनप्लस सीई-4 और वीवो वाई-11 जैसे नामी कंपनियों के महंगे और ब्रांडेड स्मार्टफोन्स पर हाथ साफ कर दिया और रफूचक्कर हो गया। शुक्रवार सुबह जब दुकान संचालक रवि दुकान खोलने पहुंचे, तो वहां का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। उन्होंने तुरंत सीसीटीवी फुटेज खंगाली, जिसमें चोर की पूरी लाइव करतूत कैद हो चुकी थी। मुख्य व्यापारिक क्षेत्र में हुई इस घटना से स्थानीय व्यापारियों में आक्रोश और असुरक्षा का माहौल पनप गया था।

सीसीटीवी और पुलिस की सजगता से खुला राज - घटना की सूचना मिलते ही अजयगढ़ थाना पुलिस बिना वक्त गंवाए एक्शन मोड में आ गई। एसडीओपी राजीव सिंह भदौरिया के दिशा निर्देशन और थाना प्रभारी हरिसिंह ठाकुर के नेतृत्व में तुरंत एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से मुआयना करने के साथ ही दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज को अपने कब्जे में लिया तथा 24 घंटे के भीतर आरोपी समीर अहिरवार निवासी कोडन, थाना बमीठा, जिला छतरपुर को छतरपुर में घेराबंदी कर दबोच लिया। जब पुलिस ने आरोपी की तलाशी ली, तो उसके पास से रवि मोबाइल गैलरी से चुराए गए सभी 5 महंगे मोबाइल फोन बरामद हो गए।

विश्व पर्यावरण दिवस पर महाराज सागर तालाब में आयोजित हुई जल कथा

नवभारत न्यूज

पन्ना, 06 जून। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महाराज सागर तालाब, पन्ना में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल कथा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित जिला प्रबंधक आजीविका मिशन प्रमोद शुक्ला तथा वरिष्ठ समाजसेवी बाजपेई जी सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने जल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसके संरक्षण एवं संवर्धन की आवश्यकता पर बल दिया। डीपीएम श्री शुक्ला ने बताया गया कि ग्रामीण आजीविका मिशन तथा समाजसेवी संस्थाओं के सहयोग से 25 मई से महाराज सागर तालाब को जलकुंभी एवं कचरे से मुक्त बनाने के उद्देश्य से एक विशेष जन-अभियान प्रारंभ किया गया है।

इस अभियान में समर्थन संस्था, ग्रामीण आजीविका मिशन के अलावा समाजसेवी संस्थाओं तथा आरसेटी की टीमों द्वारा संयुक्त रूप से निरंतर श्रमदान एवं स्वच्छता गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। बाद में जिला प्रशासन के सहयोग से अभियान को और गति मिली तथा व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित हुई। विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं ने पपेट शो के माध्यम से स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

वहीं भजन मंडली द्वारा स्वच्छता, जल संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन पर आधारित प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमुदाय को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के दौरान जल संरक्षण, स्वच्छता एवं सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संकल्प भी लिया गया।

भगवान परशुराम जी के मंदिर निर्माण के संबंध में बैठक आज

नवभारत न्यूज

पन्ना, 06 जून। दिनांक 7 जून रविवार को श्री राम जानकी मंदिर पन्ना के प्रांगण सांयकाल 6 बजे एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया है।

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा (स) पन्ना के जिला अध्यक्ष पंडित राम गोपाल तिवारी के द्वारा प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी दी गई है कि शुरुआत में मंदिर के निर्माण का कार्य सभी के सहयोग से दिव्या गति से चला किंतु किन्हीं कारण बस मंदिर के निर्माण का कार्य दो वर्षों से बंद पड़ा हुआ है मंदिर के निर्माण का कार्य लगभग 60 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है तथा 40 प्रतिशत निर्माण होना शेष है। मंदिर का निर्माण कार्य पुन प्रारंभ किया जाना है जिसके संबंध में विप्र महानुभाव की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया है जिसमें सभी विप्र महानुभव मंदिर निर्माण के संबंध में अपने विचार प्रकट करेंगे। सभी विप्र महानुभाव माता बहनों भाइयों से विनम्र अनुरोध है की बैठक में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर के अपने-अपने सुझाव मंदिर निर्माण के संबंध में देने का कष्ट करें।

कमर्शियल सिलेंडर की कीमत बढ़ने से होटलों में नाश्ता सहित भोजन महंगा

नवभारत न्यूज

पन्ना, 06 जून। इरान-अमेरिका युद्ध से उत्पन्न हुए वैश्विक तेल संकट का असर अब भारत पर तेजी से पड़ने लगा है। बीते एक माह में पेट्रोल और डीजल के दाम लगातार बढ़ने से महंगाई का असर साफदिखने लगा है।

पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने से ट्रांसपोर्ट महंगा हो गया है। जिससे फ्रूट और सब्जी से लेकर किराना सामग्री तक में 7 से लेकर 10 प्रतिशत तक की महंगाई देखी जा रही है।

व्यापारियों और उपभोक्ताओं की जेब पर असर - किराना सामग्री और फ्रूट जिसमें सेब फ्रूट, आम और केला के दामों पर महंगाई का असर सबसे अधिक पड़ा है, तो वहीं दाल, चावल से लेकर शक्कर तक के दाम बढ़ गए हैं। पन्ना ही नहीं, प्रदेश के सभी प्रमुख शहरों में फ्रूट सब्जी व किराना व्यापारियों पर महंगे ट्रांसपोर्ट का असर पड़ा है, जिसका सीधा असर अब उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ने लगा है। किराना व्यापारी ने बताया, बीते एक माह में ही किराना सामग्री पर 5 प्रतिशत से 10 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। दालों में 5 रुपए किलो की वृद्धि हुई है। शक्कर में 1.5 रुपए प्रति किलो, बादाम पर 40 प्रति किलो, काजू में 30 किलो की वृद्धि देखी गई है। पेट्रोल और डीजल का रेट बढ़ने की वजह से ट्रांसपोर्ट की कॉस्टिंग बढ़ने लगी है। इसका असर किराना सामग्री पर देखने को मिल रहा है। अब उम्मीद यही की जा रही है कि पेट्रोल-डीजल की कीमत कम होगी तो महंगाई पर लगाम लगेगी।

फ्रूट और सब्जियों पर भी पड़ रहा असर - किराना सामग्री ही नहीं, फ्रूट और सब्जियों पर भी पेट्रोल-डीजल की बढ़ी हुई कीमतों का असर हुआ है। फ्रूट व सब्जी व्यापारी ने बताया की फ्रूट में सबसे ज्यादा असर महाराष्ट्र और गुजरात से लाए जाने वाले आम और केला की कीमतों पर पड़ा है। दोनों में 10 प्रति किलो की वृद्धि हो गई वहीं, जम्मू कश्मीर और हिमाचल से आने वाले सेवफ्रूट की कीमत भी बढ़ गई है। सेवफ्रूट की कीमत 300 प्रति किलोग्राम के पार पहुंच गई है। आम 80 किलो तक बिक रहे हैं, वहीं केला 50 रुपए प्रति किलो से 55 किलो तक बिक रहा है। वहीं सब्जी विक्रेता ने बताया की टमाटर, गिलकी, मिर्ची, नींबू और हरे धनिया की कीमत बढ़ गई है। 15 दिन पहले जो सब्जियां 40 से 50 किलो में मिल रही थीं, वहीं सब्जियां अब 60 से 80 रुपए किलो में बिक रही हैं।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती हुई कीमतों की वजह से महंगाई बढ़ने लगी है, जिसका सर्वाधिक असर मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ रहा है। ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट बढ़ने की वजह से दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतें है अब आसमान छूने लगी हैं। देखना होगा कि कब लोगों को इससे राहत मिलती है।

महंगाई की मार से जनता परेशान

डीजल-पेट्रोल का रेट बढ़ने से हर वस्तुओं का रेट बढ़ गया है। जिससे आम जनता के लिए महंगाई का बोझ बढ़ा हुआ है। इस मामले में सत्ताधारी तो मस्त हैं लेकिन विपक्ष नेता भी कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं।

उज्जैन सिंहस्थ-2028 के लिए प्रथम बैच का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

नवभारत न्यूज

पन्ना, 06 जून। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के मार्गदर्शन में आगामी उज्जैन सिंहस्थ-2028 के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन के दृष्टिगत जिला पुलिस बल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु आयोजित विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रथम बैच आज दिनांक 06 जून को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

पुलिस कॉन्फ्रेंस हॉल, पन्ना में दिनांक 01 जून से प्रारम्भ हुए इस प्रशिक्षण सत्र में जिले के 50 से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता कर विभिन्न विषयों पर व्यावहारिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण का उद्देश्य सिंहस्थ जैसे विशाल धार्मिक एवं जनसमूह आधारित आयोजन के दौरान कानून-व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन एवं आपदा प्रतिक्रिया क्षमता को और अधिक सुदृढ़ बनाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को कानून-व्यवस्था संधारण, क्राउड मैनेजमेंट, साइबर मॉनिटरिंग, रेडियो संचार प्रणाली, सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था, सुरक्षा योजना, विस्फोटक नियंत्रण, साफ्ट स्किल्स, तनाव प्रबंधन, योग एवं मेडिटेशन सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के अंतिम दिवस जिला चिकित्सालय पन्ना की विशेषज्ञ टीम द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आकस्मिक चिकित्सा परिस्थितियों में त्वरित सहायता प्रदान करने संबंधी महत्वपूर्ण प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान सी.पी.आर., फर्स्ट एड, घायल व्यक्तियों की प्राथमिक देखभाल, बेहोशी, हृदयाघात तथा अन्य आपातकालीन चिकित्सीय परिस्थितियों में अपनाई जाने वाली आवश्यक प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी एवं व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए जीवनरक्षक तकनीकों के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। इसके अतिरिक्त एस.डी.आर.एफ पन्ना की टीम द्वारा प्राकृतिक एवं कृत्रिम आपदाओं की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया एवं राहत-बचाव कार्यों के संबंध में विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। एस.डी.आर.एफ टीम ने आपदा प्रबंधन, खोज एवं बचाव तकनीकों, आपातकालीन संसाधनों के उपयोग, समन्वित कार्यप्रणाली तथा संकट की परिस्थितियों में पुलिस की भूमिका से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षक के रूप में निरीक्षक बखत सिंह एवं उप निरीक्षक कमल सिंह चंदेल द्वारा विभिन्न विषयों पर प्रभावी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। वहीं रक्षित निरीक्षक खिलावन सिंह कंवर द्वारा प्रशिक्षण के समुचित संचालन एवं समन्वय की जिम्मेदारी निभाई गई। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू ने कहा कि सिंहस्थ-2028 जैसे विशाल धार्मिक आयोजन के दौरान पुलिस बल की दक्षता, सतर्कता एवं आपदा प्रबंधन क्षमता अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। इसी उद्देश्य से जिला पुलिस बल के प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी को चरणबद्ध रूप से प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, जिससे वे किसी भी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित किया जा सके। उल्लेखनीय है कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी चरणों में भी निरंतर संचालित किया जाएगा तथा जिला पुलिस बल के शत-प्रतिशत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाना प्रस्तावित है।

नपा की सफाई सिर्फ मुख्य बाजार व अधिकारियों के बंगलों तक सिमटी

नवभारत न्यूज

पन्ना, 06 जून। नगर पालिका का सफाई अभियान सिर्फ मुख्य मार्गों एवं बाजार क्षेत्र तथा अधिकारियों के बंगलों को चमकाने तक सीमित है शेष नगर के अंदर वार्डों में गंदगी का साम्राज्य देखा जा रहा है। नगर के वार्डों में अटी पड़ी गंदगी नगर पालिका के सफाई अभियान को उजागर कर रही है।

जबकि नगर में इस अभियान के तहत लाखों रुपए फूंका जा चुका है। नगर में लाखों रुपए पानी की तरह फर्जी तरीके से खर्च कर दिया गया। जबकि नगर के कुछ स्थानों और गली मोहल्लों में गंदगी के ढेर लगे हुए हैं और अंदरूनी वार्डों में नालियां बजबजा रही हैं। लेकिन मुख्य मार्ग को चमकाने का प्रयास किया जा रहा है। इधर मानसून करीब आ चुका है, लेकिन नगर पालिका द्वारा नालियों की सफाई करवाना जिम्मेदार भूल हुए हैं। सफाई अभियान के नाम पर महज खानापूर्ति ही की जाते आ रही है। नगर पालिका के अंतर्गत 28 वार्ड आते हैं, लेकिन कुछ वार्डों में सकरी गली मोहल्लों में कचरा वाहन ही नहीं पहुंच पाते हैं और जो वाहन चले भी जाएं, तो वहां पर सफाई अमला नहीं पहुंचता है। कचरा गाड़ी से कचरा कलेक्शन किया जा रहा है हालात यह हैं कि वार्डों के अंदरूनी मौहल्लों में कचरों का ढेर पड़ा हुआ है। जब कुछ वार्डों की स्थिति देखी गई, तो वार्डों में जगह जगह कचरे के ढेर और गंदगी से बजबजाती नालियां ही नजर आ रही थीं, जो बनने के बाद आज तक साफ नहीं कराई गई है और पानी निकलने के लिए जगह नहीं है। कॉलोनियों में जब से नालियों का निर्माण हुआ है वहां आज तक इन नालियों की सफाई नहीं हुई है और कचरे पॉलीथिन व गंदगी से अटी पड़ी हुई हैं। लेकिन वार्डों के अंदर आज तक कचरा वाहन तक नहीं पहुंचा है। सबसे बड़ी बात, तो यह है कि यहां के लोगों ने बताया कि बीते साल पहले नगर परिषद द्वारा घटिया निर्माण से नाली का निर्माण कराया गया था। लेकिन आज तक इस नाली की सफाई नहीं हुई है। पूरी नाली कचरे और पालीथीन और गंदगी से बजबजा रही हैं। वार्डवासियों का कहना है कि कई बार नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराए जाने के बाद भी किसी प्रकार के सकारात्मक कदम नहीं उठाए जा सके हैं। जहां नालियों में गंदगी की वजह से मच्छरों की तादाद में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है।

तलैया में डूबने से 8 वर्षीय मासूम की मौत

नवभारत न्यूज

पन्ना, 06 जून। बृजपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बड़गड़ी की नई बस्ती में शुक्रवार को एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है। यहाँ एक 8 वर्षीय मासूम बालक की गांव के पास स्थित तलैया में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई।

इस हृदय विदारक घटना के बाद से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान नई बस्ती निवासी अच्छेलाल गोंड के 8 वर्षीय पुत्र रोहित गोंड के रूप में हुई है। शुक्रवार को रोहित अपने हमउम्र दोस्तों के साथ गांव के बाहर बनी तलैया में नहाने के लिए गया हुआ था। सभी बच्चे पानी में नहा रहे थे कि इसी दौरान रोहित अचानक गहरे पानी की तरफचला गया और डूबने लगा। उसे डूबता देख साथ गए बच्चों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर आस-पास मौजूद ग्रामीण एवं परिजन तुरंत मौके पर दौड़े। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद रोहित को पानी से बाहर निकाला और उसे बचाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और मासूम दम तोड़ चुका था। इस हादसे की सूचना मिलने के बाद मृतक के परिजन मनीराम ने तत्काल बृजपुर थाना पुलिस को मामले की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घटना का मुआयना किया और आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए शव को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिया है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। इस घटना ने एक बार फिर परिवार को कभी न भूलने वाला जख्म दिया है, क्योंकि कुछ माह पहले ही इसी परिवार ने अपनी एक और संतान को खोया था। ग्रामीणों ने बताया कि इसी वर्ष 23 मार्च को रोहित की चचेरी बहन रिंकी गोंड की भी खेत में बने एक तालाब में डूबने से मौत हो गई थी। पीड़ित परिवार अभी उस पुरानी दुखद घटना और सदमे से पूरी तरह उबर भी नहीं पाया था कि कुछ ही महीनों के भीतर आए इस दूसरे संकट ने पूरे परिवार को गहरे अवसाद में डाल दिया है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर महाविद्यालय में दो दिवसीय कार्यक्रम का हुआ आयोजन

नवभारत न्यूज

पन्ना, 06 जून। मध्य प्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के सौजन्य से महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय विश्व पर्यावरण दिवस समारोह उत्साह, जनभागीदारी एवं पर्यावरण चेतना का अनुपम उदाहरण बनकर संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता, ऊर्जा संरक्षण तथा वृक्षारोपण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों ने अपने विचार व्यक्त किए और विद्यार्थियों को प्रकृति संरक्षण के लिए प्रेरित किया। उद्घाटन सत्र में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस. डी. चतुर्वेदी ने अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने स्वयं लगभग 50 पौधों का रोपण कर उनका संरक्षण किया, जो आज फ्लदार वृक्ष बन चुके हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से केवल पौधारोपण ही नहीं, बल्कि उनके संरक्षण का भी संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. नंद कुमार पटेल ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि एक वृक्ष दस पुत्र समान होता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार परिवार के सदस्यों का पालन-पोषण किया जाता है, उसी प्रकार वृक्षों की सुरक्षा और संवर्धन भी प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। मुख्य वक्ता डॉ. एन. पी. त्रिपाठी, वरिष्ठ वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्र ने जलवायु परिवर्तन के कारणों एवं उसके दुष्प्रभावों पर विस्तृत जानकारी देते हुए बघेलखंड की वृक्ष संरक्षण परंपराओं का उल्लेख किया और बताया कि सामाजिक सहभागिता से ही पर्यावरण संरक्षण संभव है। द्वितीय दिवस के व्याख्यान सत्र में डॉ. सुरजीत सिंह जाट, सहायक प्राध्यापक, अलीराजपुर ने पेड़-पौधों एवं वन्य जीवों के संरक्षण के व्यावहारिक उपायों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के तृतीय वक्ता डॉ. आनंद चौरसिया ने ऊर्जा संकट, रीसाइक्लिंग व्यवस्था एवं वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण पुनर्जीवन की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. सिद्धू सिंह के निर्देशन में जल परिक्रमा चेतना अभियान, डॉ. पीयूष शर्मा के मार्गदर्शन में रंगोली प्रतियोगिता तथा डॉ. अरविंद निषाद, डॉ. निशांत खरे, डॉ. रोशनी गुप्ता एवं डॉ. अनुराधा के निर्देशन में प्रश्नमंच एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के वानस्पतिक उद्यान में हर्रा, बहेरा, आंवला सहित पाँच औषधीय पौधों का पौधारोपण किया गया तथा उनके संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया गया। इसके साथ ही महाविद्यालय के समस्त अधिकारी, प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

ट्राले की टक्कर से एक की मौत, मां-बेटे गंभीर घायल

नवभारत न्यूज

पन्ना, 06 जून। पन्ना-अमानगंज मार्ग पर शुक्रवार को रामपुर बैरियर के पास हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मां-बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद ट्राला चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामपुर निवासी रणधीर यादव अपनी मां लाला बाई एवं चचेरे भाई वंश रूप यादव के साथ एक पारिवारिक अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल होने छतरपुर जा रहे थे। इसी दौरान रामपुर बैरियर के पास उनकी मोटरसाइकिल को तेज रफ्तार अज्ञात ट्राले ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि 50 वर्षीय वंश रूप यादव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि रणधीर यादव और उनकी मां लाला बाई गंभीर रूप से घायल हो गए।